PLANT DESCRIPTION

पौधा का नाम – करंज (Karanj / Indian Beech Tree)

सामान्य नाम (Common Name) – Karanj, Indian Beech, Pongam Tree

वनस्पतिक नाम (Botanical Name) – *Pongamia pinnata* (L.) Pierre

कुल का नाम (Family) – Fabaceae (लेग्यूमिनोसी / मटर कुल)

🌱 पौधा का स्वभाव (Nature / Habit)

- करंज एक **मध्यम आकार का, पर्णपाती (Deciduous)** वृक्ष है।
- इसकी ऊँचाई सामान्यतः **12–18 मीटर** तक होती है।
- पत्तियाँ **चमकदार, गहरे हरे रंग की, संयुक्त (compound)** होती हैं।
- फूल **सफेद से गुलाबी रंग** के गुच्छों में खिलते हैं (मुख्यतः फरवरी–अप्रैल में)।
- फलियाँ (pods) कठोर होती हैं जिनमें 1–2 बीज पाए जाते हैं।
- यह **गर्म और नम जलवायु** में अच्छी तरह बढ़ता है और **सूखा सहनशील (drought-tolerant)** होता है।

🌿 पौधे की प्रकृति

- करंज का पेड़ **तेजी से बढ़ने वाला (Fast-growing)** और **लंबे समय तक जीवित** रहने वाला है।
- यह **नाइट्रोजन स्थिरीकरण (Nitrogen fixation)** करने में सक्षम होता है, जिससे भूमि की उर्वरता बढ़ती है।
- यह **छाया देने वाला, प्रदूषण-रोधी और नमी-संरक्षक** वृक्ष माना जाता है।
- इसका **बीज तेलीय (oil-rich)** होता है।

🌳 उपयोग (Uses)

🌲 1. पर्यावरणीय उपयोग

- मिट्टी की **उर्वरता बढ़ाने** में सहायक, क्योंकि यह *नाइट्रोजन स्थिर करने वाला पेड़* है।
- **सड़क किनारे, खेत की मेड़ पर और बंजर भूमि** में रोपण के लिए उपयुक्त।
- **मृदा अपरदन रोकने (Soil erosion control)** में सहायक।
- **प्रदूषण को कम करने और छाया देने** के लिए भी लगाया जाता है।

🪵 2. औद्योगिक उपयोग

- **बीजों से निकाला गया करंज तेल (Karanja oil)** जैव डीज़ल (Bio-diesel) बनाने में उपयोग होता है।

- यह **लकड़ी के ईंधन**, **साबुन**, **पेंट**, और **कीटनाशक पदार्थों** के निर्माण में काम आता है।
- लकड़ी हल्की, टिकाऊ और **फर्नीचर व कृषि उपकरणों** के लिए उपयोगी है।

🌺 **3. धार्मिक एवं सामाजिक उपयोग**

- करंज के पत्तों का उपयोग **धार्मिक कार्यों और पूजा** में भी किया जाता है।
- इसे **पवित्र वृक्षों** में गिना जाता है।

💊 **औषधीय उपयोग (Medicinal Uses)**

⚠️ *करंज के बीजों और तेल का उपयोग केवल चिकित्सक की देखरेख में ही करें, क्योंकि इसमें कुछ विषैले तत्व (karanjin, pongamol) पाए जाते हैं।*

🌿 **आयुर्वेदिक और पारंपरिक उपयोग:**

1. **त्वचा रोगों में लाभकारी**
    - करंज तेल का बाहरी प्रयोग *खुजली, फोड़े, दाद, एक्जिमा और कुष्ठ रोग* में किया जाता है।
2. **घाव भरने में उपयोगी**
    - पत्तियों और छाल का रस *घाव और सूजन* में लगाया जाता है।
3. **कृमिनाशक (Anti-parasitic)**
    - बीजों का चूर्ण *आंतों के कीड़े* नष्ट करने के लिए प्रयोग होता है।
4. **ज्वर और खांसी में उपयोग**
    - छाल का काढ़ा *बुखार, सर्दी, खांसी और गले की खराश* में लाभकारी माना जाता है।
5. **लीवर और पाचन तंत्र के लिए उपयोगी**
    - करंज तेल और रस *लीवर विकारों* और *भूख बढ़ाने* में सहायक होता है।
6. **दर्द निवारक (Analgesic) और सूजनरोधी (Anti-inflammatory)**
    - छाल और पत्तों का रस शरीर के दर्द और सूजन को कम करने में उपयोग होता है।

⚠️ **सावधानी (Precautions)**

- करंज बीज और तेल का **अधिक मात्रा में सेवन विषैला** हो सकता है।
- गर्भवती महिलाओं और बच्चों को इसके औषधीय प्रयोग से बचना चाहिए।
- बाहरी प्रयोग (त्वचा पर) से पहले **पतला करके** या **चिकित्सक की सलाह** लें।